पाठ-१५- हमारे प्रेरणा स्रोत –

(क) कनकदास की तरह मीराबाई और सूरदास भी श्रीकृष्ण के भक्ति पद गाने के लिए प्रसिद्ध हैं।

(ख) उडुपि के कृष्ण का मंदिर काफी मशहूर है।

(ग) कनकदास जी की कविताओं व कीर्तन नाम से जाना जाता था।

(घ) तिमप्पा के रचनानायक तथा कनकदास नाम थे।

ङ) नल चरित, रामधान्य

2. क) मालाएँ

ख) गाने

ग) लड़के

(क) गड्डीयाँ

मालाएँ

३. (क) वर्ष

(ख) प्रयोग

(ग) धागा

(घ) कीर्ति

(ङ) वर्णन

	श्रीकृष्ण
४. बाढ़	ग्राम
कविनेल	आदिकेशव
प्रमुख रचना	मोहन तरंगिणी
कबड्डी	साहित्य
अपार श्रद्धा	